तीर्थ यात्रा | फूलों की वर्षा के साथ ढोल-नगाड़ों की थाप, सांस्कृतिक कार्यक्रम हुए

800 श्रद्धालुओं को लेकर भारत गौरव स्पेशल ट्रेन रवाना

जबलपुर। मध्य प्रदेश शासन की महत्वाकांक्षी एवं जनकल्याणकारी योजना मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के अंतर्गत एमएमटीडीवाई-21 गाड़ी (भारत गौरव स्पेशल ट्रेन संख्या 00131) को जबलपुर रेल मंडल के जबलपुर रेलवे स्टेशन से विधिवत रूप से करीब 800 श्रद्धालुओं के साथ रवाना किया गया। यह विशेष तीर्थ यात्रा ट्रेन वरिष्ठ नागरिकों को रामेश्वरम-मदुरै की 6 रात्रि एवं 7 दिवसीय पावन तीर्थ यात्रा पर लेकर प्रस्थान हुई। विशेष ट्रेन दोपहर 2:25 बजे जबलपुर स्टेशन से हुआ। सभी यात्रियों का पारंपरिक स्वागत तिलक, तुलसी माला, पुष्पवर्षा, नाश्ता वितरण, ढोल-नगाड़ों की थाप एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ गरिमामय वातावरण में किया गया।

कहां से कितने यात्री सवार

इस यात्रा में जबलपुर से 290 यात्री, नैनपुर से 255 यात्री, बालाघाट से 255 यात्री सवार हुए। इस प्रकार कुल 800 यात्री इस पावन तीर्थ यात्रा में सम्मिलित हुए।

ये रहे उपस्थित

इस अवसर पर राज्यसभा की सांसद श्रीमती सुमित्रा बाल्मीक विशेष रूप से उपस्थित रहीं। जिला प्रशासन से डिप्टी कलेक्टर सुश्री ज्योति परस्ते, तहसीलदार सुश्री नीलू बागरी, अतिरिक्त तहसीलदार रांझी भीमसेन पटेल तथा रेल प्रशासन से वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक शशांक गुप्ता, स्टेशन प्रबंधक (वाणिज्य) संजय जयसवाल सहित जिला प्रशासन, रेल प्रशासन एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

पहल गरीब और वरिष्ठ नागरिकों का बनी सहारा

इस अवसर पर राज्यसभा की सांसद श्रीमती सुमित्रा बाल्मीक ने कहा कि, मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना मध्य प्रदेश सरकार की एक अत्यंत सराहनीय एवं मानवीय पहल है। यह हमारे गरीब, ग्रामीण एवं आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के वरिष्ठ नागरिकों के लिए एक बड़ा सहारा बनी है, जो आर्थिक अभाव के कारण तीर्थ यात्रा से वंचित रह जाते थे। जबलपुर एवं पूरे महाकौशल अंचल से लगभग 800 श्रद्धालु इस पावन यात्रा पर जा रहे हैं, यह अत्यंत सुखद एवं गौरव का विषय है।

बिना अनुमति पेड़ों की कटाई होने पर दायर करें अवमानना याचिका

जबलपुर। हाईकोर्ट द्वारा पारित आदेश के बावजूद भी प्रदेश में एनजीटी के निर्देश में गठित हाई पावर कमेटी के अनुमति के बिना पेड़ों को काटे जाने का मुद्दा चीफ जस्टिस संजीव सचदेवा तथा जस्टिस विनय सराफ की युगलपीठ के समक्ष उठाया गया। याचिकाकर्ताओं की तरफ से बताया गया कि अधिकारियों का कहना है कि हाईकोर्ट का आदेश सिर्फ शहरी क्षेत्रों के लिए है। युगलपीठ ने पक्षकारों को निर्देशित किया है कि आदेश पूरे प्रदेश के लिए है। ग्रामीण क्षेत्र में बिना अनुमति पेड काटे जा रहे है तो वह अवमानना याचिका दायर करने स्वतंत्र है।

राजधानी भोपाल के पास भोजपुर-बैरसिया सडक़ निर्माण के लिए बिना अनुमति के ही सैकड़ों पेड़ काटने के मामले में हाईकोर्ट ने स्वत संज्ञान लेकर जनहित याचिका के रूप में सुनवाई कर रही है। संज्ञान याचिका के साथ अन्य संबंधित याचिकाओं की सुनवाई संयुक्त रूप से हाईकोर्ट कर रहा है। पूर्व के हाईकोर्ट ने एनजीटी द्वारा गठित हाई-पॉवर कमेटी की अनुमति बिना प्रदेश में एक भी पेड़ नहीं काटने के आदेश जारी किये थे। अधिवक्ता ब्रम्हेन्द्र पाठक ने बताया कि याचिका पर बुधवार को हुई सुनवाई के दौरान युगलपीठ को बताया गया कि हाईकोर्ट द्वारा पारित आदेष के बावजूद भी प्रदेष में पेडों की कटाई जारी है। इस संबंध में अभ्यावेदन भी संबंधित अधिकारियो को दिये गये है। उनका कहना है कि हाईकोर्ट के आदेश ग्रामीण क्षेत्रों के लिए नही है। युगलपीठ ने निर्देश दिये है कि आदेश पूरे प्रदेश के लिए है। बिना अनुमति पेड़ काटे जा रहे है तो इस संबंध में वह अवमानना याचिका दायर कर सकते है। युगलपीठ को बताया गया कि सिंगरौली के धिरौली कोल ब्लॉक के पेड की काटे जाने के मामले की सुनवाई एनजीटी स्वत संज्ञान लेकर कर रही है। जिस पर अगली 8 मार्च को सुनवाई निर्धारित है। युगलपीठ ने याचिका पर अगली सुनवाई 18 मार्च को निर्धारित की है।

राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी के खिलाफ याचिका खारिज

हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति विशाल मिश्रा की एकलपीठ ने मध्य प्रदेश शासन की राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी के जाति प्रमाण पत्र को चुनौती देने वाली याचिका को खारिज कर दिया। याचिकाकर्ता सुनवाई के दौरान याचिका दायर करने का लोकस नहीं बता सका। जिसके बाद याचिकाकर्ता की तरफ से याचिका वापस लेने का आग्रह किया गया। एकलपीठ ने याचिकाकर्ता के आग्रह को स्वीकार करते हुए याचिका को खारिज कर दिया। कांग्रेस नेता प्रदीप अहिरवार की तरफ से दायर याचिका में प्रदेष सरकार में राज्यमंत्री प्रतिभा बागरी के जाति प्रमाण पत्र को चुनौती दी गयी थी। याचिका में राहत चाही गयी थी कि जाति प्रमाण पत्र का परीक्षण किया जाये। एकलपीठ ने अपने आदेश में कहा है कि लंबी बहस के बावजूद भी याचिकाकर्ता याचिका दायर करने के संबंध में अपना लोकस नहीं समझ पाया। याचिकाकर्ता के अधिवक्ता ने उचित फोरम में जाने की स्वतंत्रता के साथ याचिका वापस लेने का निवेदन किया। एकलपीठ ने याचिकाकर्ता के आवेदन को स्वीकार करते हुए याचिका को निरस्त कर दिया। राज्य की ओर से उप महाधिवक्ता विवेक शर्मा ने पैरवी की।

मंत्री कैलाश विजयवर्गीय का पुतला दहन कर जताया आक्रोश

कांग्रेसियों ने मालवीय चौक पर किया उग्र प्रदर्शन

नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंगार पर की गई अभद्र टिप्पणी से उपजा आक्रोश

नवभारत,जबलपुर। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंगार पर की गई अभद्र टिप्पणी से आक्रोशित कांग्रेसियों ने मंत्री कैलाश विजयवर्गीय का मालवीय चौक में पुतला फूंका और नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया। इस दौरान कांग्रेस नगर अध्यक्ष सौरभ नाटी शर्मा ने बताया कि कुंठित मानसिकता से ग्रसित, इंदौर में दूषित पानी से मौतों के जिम्मेदार मध्य प्रदेश सरकार के बदजुबान मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के द्वारा विधान सभा में बजट चर्चा के दौरान नेता प्रतिपक्ष माननीय उमंग सिंगार के ऊपर की गई अभद्र टिप्पणी से कांग्रेस जनो में रोष व्याप्त है।

प्रदर्शन के दौरान कांग्रेसियों ने मंत्री कैलाश विजयवर्गीय से नेता प्रतिपक्ष से माफी मांगने की मांग की। उपस्थिति नेताओं ने ये भी कहा कि भाजपा के मंत्री सत्ता के नशे में चूर होकर बदजुबानी करते है। भाजपा को ऐसे बदजुबान मंत्री को तत्काल मंत्री मंडल से बाहर किया जाना चाहिए। पुतला दहन में जबलपुर नगर निगम के नेता प्रतिपक्ष अमरीश मिश्रा, अयोध्या तिवारी ,अनुराग गढ़वाल, प्रवीण चौहान ,पवन कनौजिया, सिद्धांत जैन,रितेश मोटवानी, अमित पांडे के साथ सैकड़ों कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित थे।

7 थानों के 16 फरार अपराधियों पर ईनाम घोषित

जबलपुर। **शहर से लेकर** ग्रामीण अंचल के सात थानों में दर्ज अपराधों में लंबे समय से फरार चल रहे 16 आरोपियों पर पुलिस अधीक्षक ने ईनाम घोषित कर दिया है। जानकारी के मुताबिक बेलबाग थाने में दर्ज एनडीपीएस एक्टमें फरार शोहेब खान पिता समशेर खान 28 वर्ष निवासी प्रतापगढ़ राजस्थान, पनागर थाने में दर्ज एक अन्य प्रकरण में फरार उदय रघुवंश निवासी रांझी, सिहोरा थाने में दर्ज लूट मामले में फरार अज्ञात आरोपी, रांझी थाने में दर्ज प्रकरण में राहुल सोनी निवासी रांझी की गिरफ्तारी पर पांच-पांच हजार रूपए का ईनाम घोषित किया गया है। इसके अलावा बरेला थाने में दर्ज अपराध में फरार में शुभम सेन, उमेश पटेल, निहाल सेन, एवं संजीवनीनगर थाने में दर्ज धोखाधड़ी के मामले में फरार संदीप श्रीवास्तव, सतेन्द्र उपाध्याय, शशांक गौतम, मोहित तिवारी, अंचल दुबे, शांति कोष्टा, असलम, भानू प्रकाश एवं तिलवारा थाने में दर्ज प्रकरण में शिवबती बाई की गिरफ्तारी पर चार-चार हजार रूपए का ईनाम घोषित किया गया

मटर की आवक मिलीजुली, भाव भी कम

सहजपुर मटर मंडी में आखिरी सीजन का मटर आना हुआ शुरू

नवभारत, जबलपुर। जिले की सहजपुर मटर मंडी में मटर की आवक मिलीजुली देखने को मिल रही है, इसके अलावा किसानों को अपनी फसल का भाव भी कम मिल रहा है। कभी अधिक तो कभी कम मात्रा में मटर आने के कारण व्यापारी द्वारा भी मटर के रेट स्थिर लगाए हुए हैं। जिसके चलते किसानों द्वारा बोया गया मटर पर सिर्फ उनकी लागत ही निकल रही, अच्छे भाव नहीं मिल पा रहे हैं। सहजपुर मटर मंडी में इस समय सामान्य मात्रा में किसानों द्वारा मटर पहुंचाया जा रहा है। जिससे मटर मंडी में सन्नाटा की स्थिति बनी रहती है। व्यापारियों का कहना है कि फरवरी के आखिरी सप्ताह में सीजन का आखिरी मटर बड़ी मात्रा में आने संभावना है।

13 से 18 रूपए तक रहा मटर का भाव

गुरुवार को मंडी में पहुंचा मटर का भाव किसानों को 13 से 18 रूपए तक मिला है। यह भाव पिछले दिनों मिले रेट के बराबर ही हैं। इन दिनों किसानों को मटर का भाव 15 रुपए के आस पास ही मिल रहा है। अच्छी क्वालिटी का मटर ही उच्चतम रेट 1800 रूपये प्रति क्विंटल तक बिक रहा है जो सीधा अन्य राज्यों में भेजा रहा है।

गर्मी बढ़ने से मटर की तुड़ाई तेज़

इस वर्ष फरवरी माह में ही धूप तेज होने से गर्मी का अहसास होने लगा है। वहीं आखिरी सीजन का मटर भी अपने आखिरी चरण पर आ चुका है। जिसकी तुड़ाई भी किसानों ने शुरू कर दी है और उसको जल्द ही मंडियों में ले जाकर बेचा जा रहा है। क्योंकि अत्यधिक गर्मी बढ़ने के बाद मटर सूखने लगता है और यह बेचने लायक नहीं रह जाता है। वहीं दूसरी तरफ अगर मटर खराब हो जाता है तो उसके अच्छे भाव भी किसानों को नहीं मिल पाते हैं। इसी के साथ अब सीजन के आखिरी मटर की तुड़ाई करके समय-समय पर किसानों द्वारा मंडियों में ले जाकर बेचा जा रहा है।

पुलिस को देखकर जहर खाने वाला हुआ गिरफ्तार, गया जेल

गैंगरेप के बाद हुई थी महिला की हत्या, मुख्य आरोपी पूर्व में हो चुका गिरफ्तार

जबलपुर। पनागर थाना अंतर्गत ग्राम मुडिया बाईपास में गैंगरेप के बाद महिला की हत्या कर शव सूखी नहर में फेंकने के मामले दूसरे आरोपी को भी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी ने पुलिस की घेराबंदी देखकर जहर खा लिया था जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया था । जिसके डिस्चार्ज होने के बाद पुलिस ने उसे भी गिरफ्तार कर लिया है। जिसे न्यायालय के समक्ष पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया है ।जबकि पूर्व में मुख्य आरोपी गिरफ्तार किया जा चुका है।

विदित हो कि पनागर थाना अंतर्गत ग्राम मुडिया बाईपास में हत्या के बाद सूखी नहर में एक महिला की लाश फेंक दी थी। मृतिका 10 जनवरी को पनागर बाजार जाने के घर से निकली थी लेकिन वापिस नहीं लौटी थी। 12 जनवरी को उसकी लाश मिली थी। पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर पतासाजी शुरू की । सीसीटीव्ही कैमरों के फुटेज खंगाले तो पता चला कि महिला 10 जनवरी को पनागर बाजार हरि उर्फ मुकेश परस्ते के साथ पनागर बाजार में घूम रही थी एवं हरि उर्फ मुकेश परस्ते के साथ ही पीले रंग के आटो में बैठकर ग्राम नयागांव में शाम लगभग 6 बजे उतरी थी जिसके बाद महिलो किसी को दिखायी नहीं दी है। जिसके बाद पुलिस ने 12 फरवरी को हरि उर्फ मुकेश परस्ते को अभिरक्षा में लिया जिसने पूछताछ में राज उगले। जांच में यह बात सामने आई कि मुकेश परस्ते के दोस्त मोनू उर्फ महेश मार्को के साथ महिला से अवैध सम्बंध थे। 10 जनवरी को दोनों ने महिला से गैंगरेप किया था। शारीरिक सम्बंध बनने के बाद महिला के द्वारा कहा गया कि तुमने गलत काम किया है जिसकी जानकारी परिजनों, पुलिस को दूंगी। डर में दोनों ने मिलकर हत्या की योजना बनाई। हरि ने गला दबाया था। इस दौरान मोनू ने दोनों हाथ पकड़े थे। महिला के छटपटाने पर मोनू के द्वारा उसके गले को लात से दबाया गया। इसके बाद दोनों ने मिलकर शव को सूखी नहर में फेंक दिया था। प्रकरण के अन्य आरोपी मोनू उर्फ महेश मार्को को पुलिस ने तलाश करते हुए पकड़ा इसके बाद उसे थाने लाया गया। जहां उसकी तबियत बिगड़ गई थी जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया था। पूछताछ करने पर मोनू उर्फ महेश मार्को ने पुलिस को घर की ओर आता देख उसने चारा नष्ट करने वाली कीटनाशक दवा पी लिया था। मोनू के डिस्चार्ज होने के बाद पुलिस ने उसे भी गिरफ्तार कर लिया जिसे न्यायालय में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया है।

अभाविप ने रादुविवि में किया सद्बुद्धि यज्ञ, मंत्रोच्चार के साथ हुआ अनोखा प्रदर्शन

जबलपुर। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद जबलपुर महानगर द्वारा रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय परिसर में विश्वविद्यालय प्रशासन की अनियमितताएं एवं छात्र हितों की अनदेखी के विरोध में 'सदबुद्धि यज्ञ' का आयोजन किया गया। इस आयोजन का उद्देश्य प्रशासन को विद्यार्थियों की समस्याओं के प्रति जागरूक करना तथा उन्हें सकारात्मक एवं न्यायपूर्ण निर्णय लेने के लिए प्रेरित करना था। यज्ञ के दौरान संस्कृत में मंत्रोचारण और विश्वविद्यालय के अधिकारियों की सद्बुद्धि की प्रार्थना की गई, यह देखने विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन के सामने कर्मचारियों एवं छात्रों की भीड़ जमा रही । परिषद के केंद्रीय कार्यसमिति सदस्य माखन शर्मा ने कहा कि विगत लंबे समय से विश्वविद्यालय में परीक्षा परिणामों में विलंब,प्रशासनिक अव्यवस्था तथा आधारभूत सुविधाओं की कमी जैसी अनेक समस्याएँ बनी हुई हैं, जिन पर प्रशासन अपेक्षित संवेदनशीलता नहीं दिखा रहा है साथ ही पीएम उषा फण्ड का भी उपयोग छात्र हित में नहीं किया गया और फण्ड लेप्स होने की नौबत आ गई है, यदि प्रशासन शीघ्र ही ठोस कदम नहीं उठाता है, तो अभाविप छात्रहित में आगे भी चरणबद्ध आंदोलन करने के लिए बाध्य होगी। महानगर मंत्री आर्यन पुंज ने कहा कि विश्वविद्यालय केवल भवनों का समूह नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के सपनों और भविष्य का केंद्र होता है। यदि प्रशासन अपनी जिम्मेदारियों के प्रति सजग नहीं रहेगा, तो इसका सीधा दुष्प्रभाव छात्रों के भविष्य पर पड़ेगा। अभाविप ने स्पष्ट किया कि यह 'सदबुद्धि यज्ञ' व्यवस्था में सुधार और छात्रहितों की रक्षा के लिए एक सांकेतिक एवं सकारात्मक पहल है जिससे के अधिकारियों की नींद खुलेगी। इस दौरान अनमोल सोनकर,ऐश्वर्या सोनकर , शोभित मिश्रा , अक्षत ताम्रकार ,पारुल साहू ,भास्कर पटेल , प्रफुल तिवारी , दिव्यांक पचौरी , लखन मांझी ,अरमान पांडेय ,सूर्यांश ठाकुर , यश पटेल ,संकेत पटेल , सौरभ यादव , किशन यादव ,देव कुमार ,रोहित यादव, आदि राइ ,अंशवीर सोनकर ,नितिन ठाकुर ,जितेंद्र टीकम ,किशन द्विवेदी ,ध्रुव दुबे ,कृष पाठक ,आयुष शर्मा ,राज कुरारिया ,साहिल राजपूत , हर्ष , हार्दिक विश्वकर्मा उपस्थित रहे ।

निरीक्षण | मछुआ समिति ने सूपाताल का किया निरीक्षण

शासन के आवंटित स्थान से करें मछली विक्रय संचालित

नवभारत,जबलपुर। शहर की स्वच्छता व्यवस्था को सुदृढ़ करने और मछली कारोबार को नियमबद्ध करने के उद्देश्य से गुरूवार को सूपाताल क्षेत्र में नगर निगम, मत्स्य विभाग और मछुआ समिति द्वारा संयुक्त निरीक्षण किया गया। इस कार्रवाई का मुख्य उद्देश्य खुले में मछली विक्रय पर रोक लगाना और व्यापारियों को शासन द्वारा निर्धारित सर्वसुविधायुक्त स्थानों पर स्थानांतरित करना है। मौके पर नगर निगम की ओर से अपर आयुक्त अंजू सिंह एवं मत्स्योद्योग विभाग के सहायक संचालक राजाराज तिलक धुर्वे अपनी टीम के साथ उपस्थित रहे। इस दौरान अधिकारियों ने मछुआ समिति के कार्य संचालन का जायजा लिया और स्थानीय व्यापारियों से संवाद किया।

खुले में मछली विक्रय पूरी तरह प्रतिबंधित

निगम प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि नगर निगम सीमा के भीतर स्वच्छता मानकों को बनाए रखना प्राथमिकता है। नगर निगम और मत्स्य विभाग की विधिवत अनुमति के बिना खुले में मछली बेचने का व्यवसाय पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। मछली व्यापारियों की सुविधा के लिए गुरंदी में विशेष रूप से दुकानों का आवंटन किया जा रहा है। व्यापारियों को निर्देशित किया गया है कि वे शासन द्वारा आवंटित स्थान पर शिफ्ट हों और आवश्यक अनुमति प्राप्त करने के बाद ही अपने व्यवसाय का संचालन करें। इस पहल से सूपाताल और आस-पास के क्षेत्रों में गंदगी से मुक्ति मिलेगी, बल्कि मछली व्यापारियों को भी एक स्थाई रूप से सुरक्षित कार्यस्थल प्राप्त होगा।

पत्रकारिता पुरस्कार एवं सम्मान समारोह आज

जबलपुर। पत्रकारिता में अपना अविस्मरणीय योगदान प्रदान करने वाले व्यक्तित्व और प्रेरणास्त्रोत पं. अरुण शुक्ला की स्मृति में 31 वां अरुणोदय का आयोजन किया जा रहा है। संस्थापक आशीष शुक्ला ने बताया कि अरूणोदय यशभारत कार्यालय में 20 फरवरी को दोपहर 3.30 बजे से आयोजित होने वाले इस प्रतिष्ठित एवं गरिमापूर्ण कार्यक्रम में राकेश सिंह मंत्री, लोकनिर्माण विभाग, म.प्र. शासन एवं विवेक कृष्ण तन्खा राज्यसभा सांसद का वर्चुअल संबोधन होगा। वरिष्ठ पत्रकार एन के सिंह के मुख्यातिथ्य में कार्यक्रम की अध्यक्षता जगत बहादुर सिंह महापौर, जबलपुर करेंगे। विशिष्ठ अतिथि के रूप में डॉ. पी. के. मिश्रा कुलपति, जवाहरलाल नेहरू कृषि वि.वि., डॉ. अशोक खंडेलवाल कुलपति, म.प्र. चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, डॉ. राजेश वर्मा कुलपति, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर, राघवेन्द्र सिंह कलेक्टर, सम्पत उपाध्याय पुलिस अधीक्षक, मनोहर वर्मा सेवा निवृत्त उप पुलिस महानिरीक्षक, डॉ. परिमल स्वामी वरिष्ठ चिकित्सक कार्यक्रम में मौजूद रहेंगे। समारोह में नगर के चुनिंदा पत्रकारों व श्रेष्ठ आंगनबाड़ी कार्यकर्ता को श्रीफल, प्रतीक चिन्ह और सम्माननिधि से सम्मानित और पुरस्कृत किया जाएगा । इस मौके पर डायरेक्टरी अरूणोदय 2026 का विमोचन भी अतिथियों के द्वारा किया जाएगा।